Republic Day Special)

मंथन
The manthan

स्टाफ क्लब, आई. एच. बी. टी. पालमपुर

वर्ष 3 अंक 2 26 जनवरी, 2009

मंथन

स्टाफ क्लब, आई. एच. बी. टी. पालमपुर

वर्ष 3 अंक 2 26 जनवरी, 2009

आमुख

मंथन आपके स्टाफ क्लब की पत्रिका है, इसका 10वॉ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। आपके अन्दर विद्यमान वे प्रतिभायें, जिन्हें आप बोलकर या अन्य किसी रूप में व्यक्त नहीं कर सकते आप उन्हें मंथन के माध्यम से लघु लेख व कथा, कलाकृति, रेखाचित्र, कविता व अन्य किसी भी रूप में व्यक्त कर सकते हैं तथा छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं।

"मंथन की भावना है–भावनाओं का मंथन।"

स्टाफ क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों से निवेदन है कि वे मंथन के आगामी अंकों के लिए प्रविष्टियां देने की कृपा करें ताकि मंथन का अगला अंक समय से निकाला जा सके। भाषा हिन्दी या अंग्रेजी हो सकती है।

इस अंक में प्रविष्टियां देने वालों व सहयोग प्रदान करने वालों का स्टाफ क्लव सदैव आभारी रहेगा।

देवेन्द्र ध्यानी

<u>विषय सूची</u>

<u>इस अंक में</u>

लेख	लेखक	पृष्ठ
Cover Page	Saurabh Sharma	
जेहादी	संगीता सिंह	**1**
Painting	Ekta Thakur	**2**
मेरा कसूर क्या है ?.	अनिल सूद	**3**
2009 Challenges Ahead	Saurabh Anand	**5**
मेरा छोटा भाई	काव्या सूद	**6**
Painting	Gurvidner Kaur	**7**
मेरी दीदी	कृतेन सूद	**8**
Painting	Amisha Prashar	**9**
Painting	Ishaan Gulati	**10**
Painting	Kriten Sud	**11**
Painting	Rohan Pradhan	**12**
Painting	Rohit Pradhan	**13**

जेहादी

हैं ये कौन जेहादी?
किस धर्म का लाना चाहें राज्य ?
किस धर्म की ये करते हैं बात ?
लाना चाहें कैसा जेहाद ?

है ये कौन सा धर्म जिसके।
मासूम बन जाते हैं शिकार।।
है ये कौन सा धर्म जो।
बिन कारण ले लेती किसी की जान।।

धर्म के नाम पर।
राह भटके हैं जो।।
निर्दोषों का खून बहाकर।
पायेंगे कौन सा जेहाद वो।।

थोड़ी सी है जिंदगी।
उम्र तय है जब यहाँ।।
चैन अमन से जीने दें।
होगा इससे बड़ा धर्म कहाँ।।

संगीता सिंह

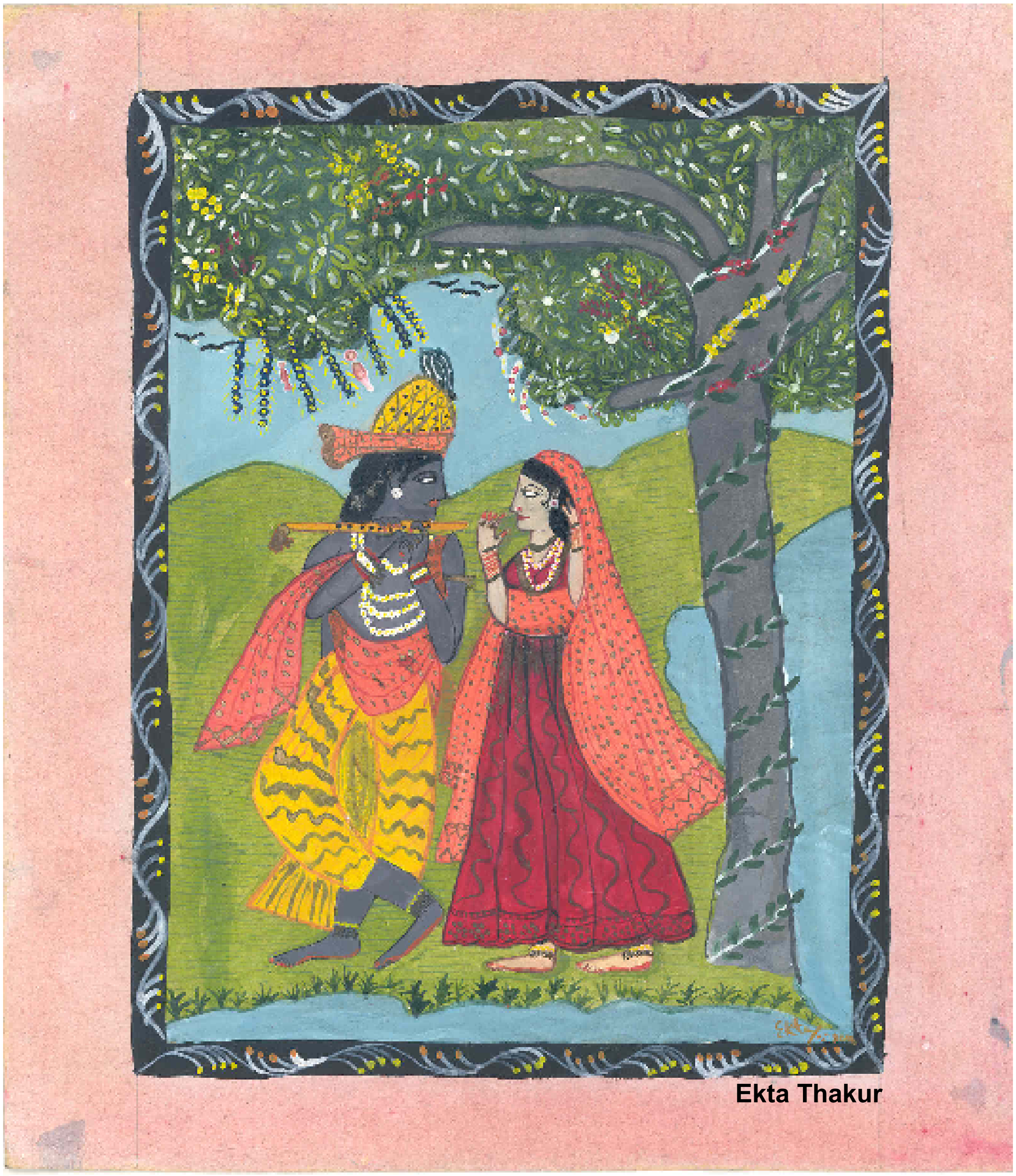

Ekta Thakur

मेरा कसूर क्या है ?.....

मैं हूं नारी
सृष्ठी की अद्‌भुत संरचना,
जननी, भविष्य संवारने वाली,
नर को पूरक बनाने वाली ।
परन्तु ?

आज मेरे अस्तित्व पर लग
गया है एक प्रश्न चिन्ह ?
मैं वही जो मां है, बहिन है, पत्नि है, दोस्त है
घर बसाने वाली
बच्चे को दुनिया में लाने वाली।

अनेक कष्टों को सह, भूखी रह कर भी संतान को इन्सानियत का
पहला सबक सिखाने वाली
नारी बिन पुरूष अधुरा है
यह मानना जरूरी है।
यदि नारी न हो दुनियां में
तो पुरूष कहां से आएगा ?
प्रकृति की ऐसी सृजना को और कहां से पाएगा ?

भारत जैसे देश में
जहां नारी बिन राम भी अधुरे थे,
आज वंश चलाने हेतु कोख में ही मेरा अस्तित्व समाप्त कर रहे हो ?
यदि मैं न रहूंगी तो
वंश क्या ख़ाक चलाओगे ?
नारी की खोज़ में क्या
परदेश में जाओगे ?

मैं हुं शक्ति, मैं हूं भक्ति
मैं ही सृजनहार हूं।
मुझ से मेरा वर्तमान न छीनो
मैं क्या इसमें कसूरवार हूं ?

प्रकृति ने ही नर एवं नारी की रचना की,
इन दोनों ने मिल कर, संसार की संरचना की
कोई भी घर, खेत या खलिहान,
नारी बिन अधुरे हैं।
यदि नारी न रही इस जग में
तो कैसे ख्वाब तुम्हारे पूरे हैं ?

अनिल सूद

2009 Challenges Ahead

The year 2008 has gone by. The year 2009 has just begun. When we think about the events of the last year, it was a year of mixed fortunes. In the field of sports India was on the top of the world in 20-20 Cricket and challenged the supremacy of Australia in test cricket. In Olympics India won gold medal for the first time in individual event. India also launched "Chandrayan" for the study of Moon. In the field of politics India signed nuclear deal with USA starting a new chapter in Indo-American relationship.

Towards the end of the year, the country faced terror attack in Mumbai. So the country has an important challenge of rooting out terrorism from this country. Secondly, the country has to devise ways and means to tackle economic slow down, which is haunting the entire world.

Time involves elements of changes and continuity. So we should forget the negatives of last year and continue with the positives to face the challenges before us and make our country a great nation.

Saurabh Anand

मेरा छोटा भाई

मेरा छोटा भाई
खाता नहीं है वो दूध–मलाई
सेहत नही उसकी बन पाई
फिर भी करता है मुझसे लड़ाई

करता है बातें मीठी–मीठी
पर होती है वो कई बार झूठी
मेरी झूठी शिकायत लगाता
फिर पापा से डांट पिटवाता

डांटो तो रोने लगता
पुचकारो तो सब भूल जाता

दादी को है सबसे प्यारा
मम्मी कहती है मेरा राज दुलारा
पापा की आंखों का तारा
और मुझे भी है सबसे प्यारा

काव्या सूद

Gurvinder Kaur (Nancy)

मेरी दीदी

मेरी दीदी बहुत सयानी
मुझे सुनाती रोज कहानी

सुबह सवेरे मुझे जगाकर
प्यार से वो ब्रश करवाती

शाम को मेरा 'होमवर्क' करवाकर
फिर मम्मी का हाथ बंटाती

मेरी दीदी सबसे प्यारी
दुनिया में वो सबसे न्यारी

कृतेन सूद

Ishaan Gulati

MERRY CHRISTMAS

AND A HAPPY NEW YEAR

FROM-
KRITEN

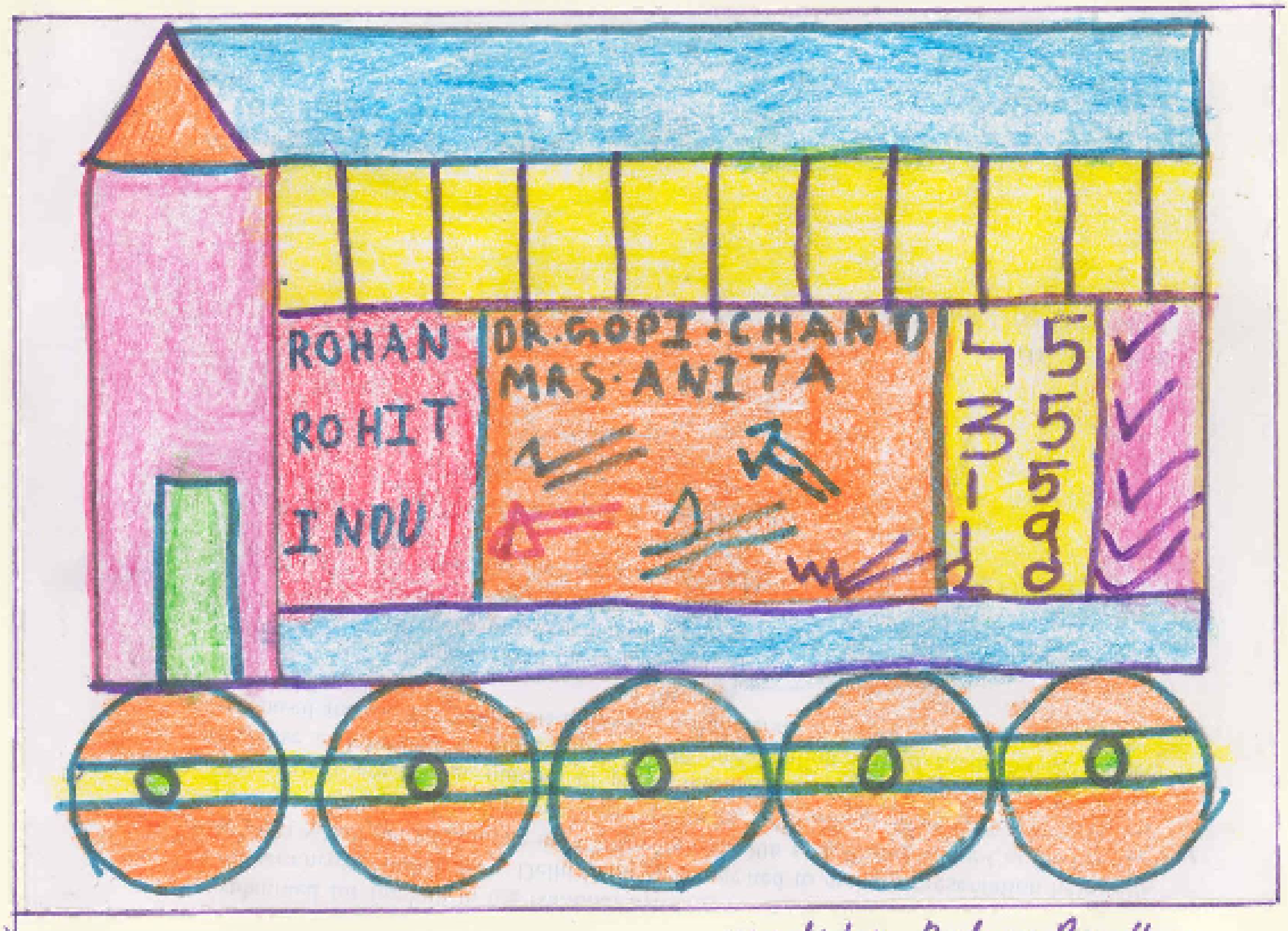

made by Rohan Pradhan
Class IV[th] B

SAVE
WATER
Made by- Rohit
Class- 4th B
Section- B

IHBT Research Scholars on Excursion Trip